भागः 2

डाक टिकट की गुत्थी

चित्रः आमोद कारखानिस

पृष्ठ क्रमांक 12 से आगे .....

बहुत मुश्किल नहीं है इस सवाल का हल

1, 4 और 5 मारिया की डाक टिकटों से रुस्तम मोहराबादी की डाक व्यवस्था सुचारू रूप से चल जाएगी।

1 = 1	**6** = 5+1	**11** = 5+5+1
2 = 1+1	**7** = 5+1+1	**12** = 4+4+4
3 = 1+1+1	**8** = 4+4	**13** = 5+4+4
4 = 4	**9** = 5+4	**14** = 5+5+4
5 = 5	**10** = 5+5	**15** = 5+5+5

परन्तु अगले कुछ सालों में मंगल ग्रह पर स्थित कॉलोनियों में इतना फैलाव हुआ कि अब पोस्ट मास्टर जनरल रुस्तम मोहराबादी को 24 मारिया तक के मूल्य के डाकखर्च की ज़रूरत थी। थोड़ा विचार करने पर उन्हें समझ आया कि अब चार डाक टिकटों की ज़रूरत पड़ेगी ताकि उनकी मूल शर्त का उल्लंघन न हो कि 1 से 24 मारिया तक के किसी भी मूल्य के लिए सिर्फ तीन टिकटें पर्याप्त हों।

इस बार रुस्तम ने 1 मारिया के अलावा अन्य तीन कौन-सी टिकटें जारी की होंगी?

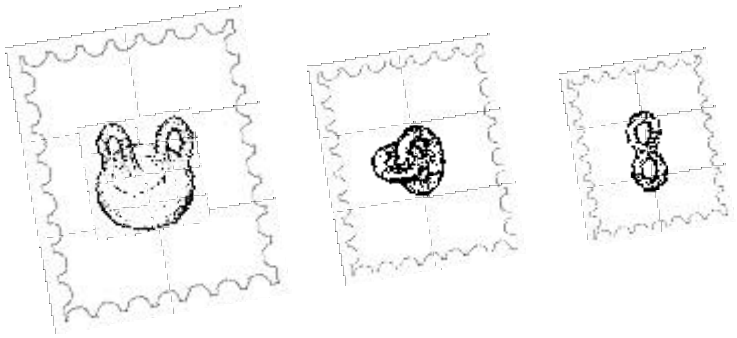

भागः 3 देखिए पृष्ठ क्रमांक 56 पर।